ओमशान्ति मीडिया

मूल्यनिष्ठ समाज की रचना के लिए समर्पित

वर्ष - 16 अंक-22 फरवरी-II, 2016 पाक्षिक माउण्ट आबू ₹8.00

जन्म दिन पर जन अम्बार, लगी बधाइयों की कतार

सरकार के स्वास्थ्य मंत्री, गृहमंत्री, नेपाल के पूर्व राष्ट्रपति व गुजरात के राज्यपाल सहित 140 देशों की जानीमानी हस्तियाँ हुई शामिल।

आमंत्रित विशिष्ट मेहमानों ने की खुले दिल से महिमा

सकारात्मक ऊर्जा का इसमें हो रहा था संचार

सभी वक्ताओं का एक ही संदेश था कि हमें हमेशा सकारात्मक सोच रखनी चाहिए, खुश रहना चाहिए, साथ ही साथ नारी और नारी शक्ति को सम्मान देकर ही समाज का उत्थान संभव है। अनैतिकता, आतंकवाद और हिंसा को सिर्फ ब्रह्माकुमारीज़ ही अपने प्रेम भाव से बदल सकता है, ऐसा सभी बड़े बड़े महानुभावों का कहना था जो हमारे लिए बड़े गर्व की बात है।

100 किलो का केक काटकर मनाया जन्मोत्सव

समारोह में 140 देशों के प्रतिनिधियों ने शामिल हो 100 किलो का केट काटकर दादी जी के जन्मोत्सव की बधाई दी। साथ ही साथ दादी जानकी को सूर्य रत्न लाइफ टाइम अचीवमेंट अवार्ड सहित कई संस्थाओं की ओर से शॉल और स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। कार्यक्रम में महाराष्ट्र के खाद्य मंत्री गिरीश बापट, हेल्थ मिनिस्टर जगत प्रसाद नड्डा, गुजरात के गवर्नर महामहिम ओ.पी.कोहली सहित कई गणमान्य जन उपस्थित थे।

'शतायु की बधाई हो' की गूंज से गूंजा सभागार

किसने कैसे दी बधाई...

सरकार संस्थान के साथ मिलकर चलाएगी कायाकल्प योजना– नड्डा

हम सभी यहाँ उपस्थित हुए, यह हमारा भाग्य है, ईश्वर दादी जानकी को दीर्घायु करे, ऐसी प्रेरणा देते हुए भारत सरकार के स्वास्थ्य मंत्री जे.पी. नड्डा ने कहा कि इनका स्वास्थ्य इनके संकल्प की देन है। इनका जीवन सात्विक है, इनके आध्यात्मिक जीवन से हमें प्रेरणा लेकर हमें आगे बढ़ना चाहिए। आज भौतिकवाद प्रबल है, उसमें इतना बड़ा आध्यात्मिक आंदोलन जिसने इतनी प्रगति की उसके लिए अध्यात्म को सराहा जाना चाहिए। जिस प्रकार जी.डी.पी. में सूचकांक को अहमियत दी जाती है वैसे ही हेल्थ-वेल्थ ग्रोथ का जो मापदंड है वो आंतरिक खुशी होनी चाहिए। वैसे तो हम संक्रमित बीमारियों का इलाज कर रहे हैं लेकिन जो बीमारियाँ नॉन कम्युनिकेबल हैं, उनका इलाज कौन करेगा, जिससे हमें हाईपर टेंशन, डायबिटीज़, कैंसर आदि हो रहा है, उसका इलाज तो सिर्फ राजयोग ही कर सकता है। राजयोग ने जो अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर व्यसनमुक्ति अभियान की शुरुआत की है उसको मैं जनमानस के साथ जोड़ने का प्रयास करुंगा। हम चाहेंगे कि भारत सरकार के साथ मिलकर ये संस्था

समाज को व्यसनमुक्त बनाने में सहयोग दे। भारत सरकार ने एक **कायाकल्प योजना** शुरु की है जिसमें हम चाहते हैं कि राजयोग मेडिटेशन से आंतरिक बीमारियों को खत्म करने हेतु ब्रह्माकुमारी संस्था का सहयोग हमारे लिए खुशी की बात होगी।

भीतरी परिवर्तन का सबसे बड़ा आंदोलन यहीं से शुरु – कोहली

गुजरात के राज्यपाल ओमप्रकाश कोहली ने कहा कि हिंसा, मूल्यों के हनन व हर प्रकार के प्रदूषण के जिस वायुमंडल से हम गुज़र रहे हैं उसमें दादी जानकी का संदेश आशा की किरण पैदा करता है। उन्होंने कहा कि दादी जानकी विश्व की महान आध्यात्मिक हस्तियों में सम्माननीय स्थान रखती हैं। इस विश्व पर अनैतिकता, आतंकवाद, हिंसा के बादल मंडरा रहे हैं। हर तरफ द्वेष, घृणा और गलत प्रतिस्पर्धा का फैलाव हो रहा है। दिशाहीनता का संकट, मूल्यों के विघटन से ही पैदा हुआ है। अंतरमन में अवसाद पैदा होने से ही यह स्थिति विकसित हुई है। आसुरी तत्वों की उत्पत्ति से आसुरी आचरण बनता है। धर्म को प्रायः शाब्दिक बहस का विषय माना जाता है जबकि यह आचरण को जीवन में उतारने का विषय है। यू.एन.ओ से मान्यता प्राप्त यह संगठन समाज को बाहर से ही नहीं बल्कि भीतर से भी परिवर्तित करने का सबसे बड़ा आंदोलन बनकर उभरा है। हमें पग-पग पर सहयोग करके इस आंदोलन को सफल बनाना होगा। साथ ही उन्होंने दादी के 100वें जन्मोत्सव की बधाई दी और सुस्वास्थ्य की कामना की।

तन के साथ मन की स्वच्छता यहीं पर : राज्यपाल मृदुला सिन्हा

गोवा की राज्यपाल मृदुला सिन्हा ने कहा कि दादी जानकी की जन्मशताब्दी पर उमड़ा मानव सागर समाज कल्याण का सूत्र निकालने वाली इस महान हस्ती के प्रति स्नेह एवं सम्मान को प्रतिबिम्बित करता है। ममता से ओतप्रोत उस समाज के पुनर्निर्माण का संदेश यहाँ से लेकर जाना चाहिए जो आधुनिकता की विकृतियों के कारण टूटता जा रहा है। यहाँ से तन के साथ-साथ मन और बुद्धि की स्वच्छता का संदेश हम यदि अपने जीवन में धारण करेंगे तो समाज से तनाव मिटेगा और विकास का उत्सव मनाया जा सकेगा। इस अवसर पर वंदे मातरम पर नृत्य प्रस्तुत करने वाले रशिया के कलाकारों को संस्था के महासचिव ब्र.कु. निर्वैर ने सम्मानित किया। संगठन सचिव ब्र.कु. मृत्युंजय ने सभी मुख्य अतिथियों का पगड़ी व माला पहनाकर अभिनंदन किया। यूरोप प्रभारी ब्र.कु. जयंती ने दादी जानकी के साथ का अनुभव बताते हुए कहा कि दादी के जीवन में हमने देखा कि दादी ने समय श्वास और संकल्प को कभी व्यर्थ नहीं गंवाया। समारोह के दौरान सभी ने दादी को मोमेन्टो व गुलदस्ता भेंटकर बधाई दी व उनके दीर्घायु होने की कामना की।